Augest 2023

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
1. अमृतवेले का योग शक्तिशाली रहा ?																															
2. अंतर्मुखी स्थिति में रहकर सेवा की ?																															
3. दिन में 5 बार अशरीरीपन का अभ्यास किया ?																															
4. फरिश्ता स्वरूप के स्वमान में रहे ?																															
5. रात्रि सोने से पूर्व आधा घंटा योग किया ?																															

विशेष तीव्र पुरुषार्थ के लिए अटेन्शन

1. जितना हो सके मौन, अंतर्मुखी रहें, व्यर्थ से मुक्त रहें।

2. बार-बार अशरीरी, देह से न्यारे होने की प्रैक्टिस करें।

3. जब भी थोड़ा सा समय मिले तो मनसा सेवा में स्वयं को व्यस्त रखें।

4. ज्ञान के मनन, चिन्तन को बढ़ाते जाना है.....।

अव्यक्त स्थिति के स्वमानयुक्त योगाभ्यास.....

1. मैं डबल लाइट अव्यक्त फरिश्ता हूं।
2. मैं इस देह में अवतरित फरिश्ता हूं।
3. मैं ट्रस्टी हूं, परमात्मा की अमानत हूं।
4. मुझे फरिश्ते के सर्व सम्बन्ध एक बाप से हैं।
5. मैं सर्व शुभचिंतक फरिश्ता हूं।
6. मैं लाइट माइट ज्योतिस्वरूप फरिश्ता हूं।
7. मैं सर्व आकर्षणमुक्त स्वतंत्र फरिश्ता हूं।
8. मैं रूहानी एक्सरसाइजधारी फरिश्ता हूं।
9. मैं ज्वालारूप योगी फरिश्ता हूं
10. मैं चमकीली ड्रेसधारी फरिश्ता हूं।
11. मैं एक बाप की याद में रहने वाला फरिश्ता हूं।
12. मैं अव्यक्त स्थिति में रहने वाला फरिश्ता हूं।
13. मैं परमात्म दुआओं से संपन्न फरिश्ता हूं।
14. मैं बेफिक्र बादशाह डबल लाइट फरिश्ता हूं।
15. मैं निमित्त कर्मयोगी फरिश्ता हूं।
16. मैं परमात्म दिलतख्तनशीन फरिश्ता हूं।
17. मैं निरंतर खुशी बांटने वाला फरिश्ता हूं।
18. मैं आदि से अन्त तक श्रेष्ठपार्टधारी आत्मा हूं।
19. मैं देह से उपराम, न्यारा फरिश्ता हूं।
20. मैं निरन्तर साक्षीद्रष्टा फरिश्ता हूं।
21. मैं एक्युरेट और अलर्ट रहने वाली आत्मा हूं।
22. मैं रॉयल, महान आत्मा हूं।
23. मैं परमात्म याद में समाई रहने वाली आत्मा हूं।
24. मैं मास्टर सर्वशक्तिवान आत्मा हूं।
25. मैं अनुभवीमूर्त सहजयोगी आत्मा हूं।
26. मैं ज्ञान-योग की लाइट माइट से संपन्न आत्मा हूं।
27. मैं मास्टर ज्ञानसूर्य आत्मा हूं।
28. मैं सर्व सिद्धि स्वरूप आत्मा हूं।
29. मैं अतिन्द्रिय सुखस्वरूप आत्मा हूं।
30. मैं सर्व खजानों से संपन्न आत्मा हूं।
31. मैं बाप समान विश्वकल्याणकारी आत्मा हूं।

ओम् शान्ति